अंक–3 सितम्बर–अक्टूबर, 2015

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

नगर निगम, गोरखपुर

http://nagarnigamgkp.org

स्वच्छ गोरखपुर

सुन्दर गोरखपुर

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

प्रधान सम्पादक

राजेश कुमार त्यागी

नगर आयुक्त

सम्पादक

बृजेश सिंह

वित्त एवं लेखाधिकारी

सम्पादकीय सलाहकार

रबीश चन्द्र

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

राजीव कुशवाहा

सहायक लेखाधिकारी

संकलन

डॉ0 श्यामपाल सिहं

लेखाकार

पृष्ठ सज्जा

सत्यम सिंह

कम्प्यूटर आपरेटर

छायांकन

राजेश कुमार

छायाकार

नागरिका के सम्बन्ध में किसी प्रकार का सुझाव nngkpnews@gmail.com पर ई–मेल किया जा सकता है।

प्रकाशक– नगर निगम, गोरखपुर

संपादकीय

भारतीय संस्कृति के सूक्ष्म विश्लेषण से पता चलता है कि प्राचीन काल के मनीषियों को भवष्यि में होने वाले प्रकृति के विनाश और जलवायु परिवर्तन का पूर्वाभास था । इसलिए उन्होने प्रकृति की पूजा को व्यक्ति के जीवन से जोड़ दिया। आधुनिक युग में गाँधी जी ने भी कहा था, ''धरती के पास सभी की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन है, उनके लालच के लिए नहीं।''

बढ़ती वैश्विक जनसंख्या और अपने भौतिक जीवन स्तर के उन्नयन की मनुष्य की लगातार बढ़ती आकांक्षा के कारण तकनीकी नवाचारों ने मनुष्य के जीवन को अधिक आरामदेह बना दिया है। भोजन, वायु, जल, खनिज और ऊर्जा के सीमित संसाधन है। प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन में अभूतपूर्व परिवर्तन किए है। परिणामस्वरूप पृथ्वी पर मानव और प्राणी जातियों के अस्तित्व पर गंभीर प्रभाव पड़े है। जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल नहीं हो पाने के कारण डायनासोर के विलुप्त होने की बात सभी जानते है। डर है कि पृथ्वी की एक चौथाई प्रजातियाँ 2050 तक विलुप्त हो सकती है।

कार्बन डाई आक्साइड, मीथेन आदि ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि के कारण ऋतु परिवर्तन वैश्विक तापमान में वृद्धि, समुद्र के स्तर में बढ़ोत्तरी, फसल चक्र में बदलाव के कारण न केवल हमारे बल्कि हमारे बच्चों और उनके बच्चों के लिए भी भू–स्खलन, सुनामी, अकाल, महामारी, जन–पलायन तथा स्वास्थ्य के लिए भी बड़ी समस्याएँ है।

यदि हम प्रकृति के क्षरण को नहीं रोकेंगे तो मजबूर प्रकृति तो मानव कृत्यों का नियमन करेगी ही। उसने करना भी शुरू कर दिया है। हम यह कभी नहीं भूलें कि प्रकृति अपने सिद्धान्तों को मानती भी है और दुनियां के हर जीव से उनका नियमन कराने की क्षमता भी रखती है।

नगर निगम, गोरखपुर अपने नगर वासियों से यह अपेक्षा करता है कि वे जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक होकर अपने शहर को स्वच्छ, सुन्दर, स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त बनाने में हमारा सहयोग करें।

राजेश कुमार त्यागी
नगर आयुक्त
नगर निगम, गोरखपुर

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम

3 सितम्बर, 2015 को घण्टाघर में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत जनता को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए नगर निगम, गोरखपुर द्वारा निकाली गयी स्वच्छता रैली का नेतृत्व करती मा0 महापौर, डा0 सत्या पाण्डेय साथ में मा0 उपसभापति, मनु जासवाल व अन्य मा0 पार्षदगण ।

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन स्थित बस स्टैण्ड परिसर की सफाई करके लोगों जागरूक करते हुए मा० महापौर, डा० सत्या पाण्डेय साथ में सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक परिवहन निगम, उत्तर प्रदेश एवं अन्य लोग ।

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नवीन सब्जी मण्डी ट्रांसपोर्टनगर की सफाई करके लोगों को जागरूक करते हुए मा० महापौर डा० सत्या पाण्डेय साथ में मण्डी समिति के पदाधिकारी एवं अन्य लोग ।

नगर निगम, गोरखपुर द्वारा किये गये विकास कार्य का लोकार्पण

स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए दिनांक 04 सितम्बर, 2015 वार्ड नं0 32 में काली मंदिर के पास नवनिर्मित स्टैण्ड पोस्ट का लोकार्पण करती मा0 महापौर, डा0 सत्या पाण्डेय, मा0 उपसभापति, मनु जायसवाल व मा0 पार्षद श्री रमेश प्रताप गुप्ता साथ में पूर्व उपसभापति श्री सुरेन्द्र जायसवाल व अन्य स्थानीय जनता।

दिनांक 09 सितम्बर, 2015 नगर निगम, गोरखपुर के वार्ड 32 पुर्दिलपुर निकट जुबली टाकीज शिव मन्दिर के सामने मिनी ट्यूबवेल पम्प का लोकार्पण मुख्य अतिथि मा0 सदर सांसद महन्थ योगी आदित्य नाथ व मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय के कर कमलों द्वारा विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र जायसवाल, पूर्व उप सभापति की उपस्थिति में किया गया।

1 सितम्बर, 2015 को आजाद चौक स्थित चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा का जीणोद्धार कर लोकार्पण करती मा0 महापौर, डा0 सत्या पाण्डेय व अन्य।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के दिशा में किये जा रहे प्रयास

महानगर का कूड़ा निस्तारण, जैविक खाद एवं कूड़े को विभिन्न प्रयोग में लाये जाने हेतु महेसरा पुल के पास नगर निगम, गोरखपुर द्वारा बनाया गया ट्रेंचिंग ग्राउन्ड का निरीक्षण करते नगर आयुक्त व मुख्य अभियन्ता ।

विकास कार्य की गुणवत्ता बनाये रखने का प्रयास

नार्मल रोड पर नगर निगम, गोरखपुर द्वारा कराये जा रहे पैंच कार्य का निरीक्षण करती मा० महापौर डा० सत्या पाण्डेय व मुख्य अभियन्ता श्री एस०के० केसरी ।

बशारतपुर में कालिसिया चर्च पर नगर निगम, गोरखपुर द्वारा कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करती मा० महापौर डा० सत्या पाण्डेय।

राप्ती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाये जाने हेतु प्रयास

दशहरा पूजा पर राप्ती नदी के स्थान पर नगर निगम, गोरखपुर द्वारा मूर्ति विसर्जन हेतु कृत्रिम तालाब का निर्माण ।

कृत्रिम तालाब में क्रेन द्वारा मूर्ति विसर्जन

आगामी विभिन्न त्यौहारों के दृष्टिगत नगर निगम द्वारा समीक्षा

नगर निगम स्थित स्व0 राम गणेश त्रिपाठी अतिथि गृह में आगामी त्यौहारों के मद्देनजर नगर निगम, गोरखपुर द्वारा की जाने वाली त्यौहारों के सम्बन्ध में बैठक करती मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय नगर आयुक्त श्री राजेश कुमार त्यागी व विभागाध्यक्ष

छठ घाट जाने वाले रास्ते का निरीक्षण करते नगर आयुक्त श्री राजेश कुमार त्यागी साथ में मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी व सफाई निरीक्षकगण ।

विविध

नगर निगम, गोरखपुर द्वारा मनाये जा रहे विश्वकर्मा पूजा समारोह में कुलपति आवास के पास विधिवत पूजा अर्चना करती मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय व नगर आयुक्त राजेश कुमार त्यागी साथ में नगर निगम के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण व अन्य ।

नगर निगम, गोरखपुर के जलकल विभाग में कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति के पश्चात् विदाई समारोह में श्री अवधेश कुमार, श्री टिकोरी लाल, श्री रामकरन को सम्मानित करते नगर आयुक्त श्री राजेश कुमार त्यागी, वित्त एवं लेखाधिकारी श्री बृजेश सिंह, सहायक लेखाधिकारी श्री राजीव कुशवाहा, सहायक अभियन्ता श्री रामकैलाश व अन्य कर्मचारीगण ।

ट्रांसफारमेटिव गवर्नेन्स के लिए 22, 23 सितम्बर, 2015 इण्डिय हैबिटेट सेन्टर नई दिल्ली में 41वॉ स्कॉच सम्मिट आयोजित किया गया जिसमें पूरे भारत वर्ष से 40 संस्थाओं को एवार्ड के लिए चयनित किया गया । जिसमें नगर निगम, गोरखपुर का "पब्लिक ग्रीवान्स रीड्रेसल सिस्टम" भी चयनित हुआ INDIA best 2015 In SMART GOVERNANCE आवार्ड प्राप्त करते हुए नगर निगम गोरखपुर से सहायक लेखाधिकारी श्री राजीव कुशवाहा व सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर श्री जावेद अनवर सिद्दीकी ।

MONTHLY STATUS REPORT

लेखा विभाग द्वारा एकाउण्टिंग सिस्टम को अपडेट रखने की अनूठी प्रक्रिया

नगर निगम, गोरखपुर का लेखा विभाग अपनी जिम्मेदारी एवं उत्तरदायित्व के लिए पूर्णतः कटिबद्ध है। लेखा विभाग के कार्य को पूर्णतः सुचारू रूप से संचालन के लिए समस्त कार्यों का प्रत्येक माह के अन्त में प्रेक्षण एवं परीक्षण किया जाता है। इसके लिए कुल–13 बिन्दुएँ निर्धारित की गयी हैं। लेखा विभाग में जितनी भी फाइल रिसीव की जाती हैं, उनका निस्तारण करने के बाद उनको उनके विभाग में वापस भेज दिया जाना सुनिश्चित किया जाता है। इससे फाइलों के खोने की संभावना नगण्य हो जाती है। यदि किसी फाइल का डिस्पोजल नहीं हो पाता है, तो सम्बन्धित कर्मचारी को स्पष्टीकरण देना पड़ता है। लेखा विभाग यह भी सुनिश्चित करता है कि माह में जितने भी भुगतान हुए हैं, उन समस्त भुगतानों का वाउचर क्रम से गार्ड फाइल में लगा दिया जाए। एकाउण्टिंग सिस्टम अर्थात आय–व्यय को अपडेट रखने के लिए कैशबुक एवं टैली की क्रास चेकिंग से गलती की सम्भावना को शून्य बनाने का प्रयास किया जाता है। इसी प्रकार कार्मिकों के पी0एफ0, पेंशन, ग्रेच्युटी, नगदीकरण, भवन अग्रिम आदि की मासिक समीक्षा किया जाता है।

कर्मचारियों का वेतन भुगतान समय से कराना सुनिश्चित किया जाता है। वेतन भुगतान की एकाउण्टिंग कैश बुक एवं टैली दोनों में किया जाता है, जिससे क्रास चेकिंग किया जा सके। प्रत्येक माह के प्रथम दिवस को समस्त बैंकों एवं खातों का monthly statement मँगा लिया जाता है। monthly statement से कैश बुक का मिलान किया जाता है। इसमें अगर कोई भिन्नता है, तो इसे तुरन्त दूर कर लिया जाता है। इस तरह प्रत्येक माह का Opening एवं Closing Balance स्पष्ट रूप से ज्ञात हो जाता है।

नगर निगम, गोरखपुर का लेखा विभाग अपनी जिम्मेदारियों का पूर्णतः निर्वहन करते हुए यह सुनिश्चित करता है कि एकाउण्टिंग सिस्टम में कोई त्रुटि न हो। लेखा का यही उद्देश्य एवं लक्ष्य होता है, जिस पर वह निरन्तर अग्रसर है। हम लोग कर्त्तव्य एवं निष्ठा का पालन उत्तरदायित्वपूर्ण करते हुए आशा करते हैं कि नगर निगम, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के नगर निगमों में एक सम्मानजनक स्थान पर आसीन रहे।

राजीव कुशवाहा
सहायक लेखाधिकारी
नगर निगम, गोरखपुर